१७५. कुछ कहना हो प्यारे मेहेर कहना

दोहा: *जीवनके संघर्षमे तडपन है दिनरैन ।*
मेहेर सुमिरन के बिना नही पावोगे चैन ॥

कुछ कहना हो प्यारे । मेहेर कहना ॥धृ.॥

गम ना करना धीरज धरना । मेहेर राखे क्यों डरना
दुनियादारी करते रहना । माया मोहमें नही फँसना ॥१॥

दुविधासे तो तू उपजा है । सुविधामे अब नही रहना
सतकी खोज निरंतर करना । मेहेर प्रभूको अपनाना ॥२॥

Scanned by CamScanner

मंत्र न कोई तंत्र न कोई । सबसे प्रेम बने रहना
बिना अपेक्षा सेवा करना । सीख मेहेरकी दूजी ना ॥३॥

ना देना है ना लेना है । जयजय मेहेरकी कहना
मधुसूदन वो परम कृपालू । दाता नाही मेहेर बिना ॥४॥

Scanned by CamScanner